अनुक्रम

प्राक्कथन

डॉ० रघुवीर सिंह (डी० लिट्०, सीतामऊ

आमुख — ३–८

उपेन्द्र नाथ शर्मा

अध्याय–१ — ९–११२

राव बदन सिंह महेन्द्र (१६८५ १७५६ ई०)

अध्याय–२ — ११३–१४१

सूरजमल का प्रारम्भिक जीवन (१७०७–१७२३ ई०)

अध्याय–३ — १४२–१५७

व्यक्तित्व का विकास (१७४१–१७४८ ई०)

अध्याय–४ — १५८–१९३

युवराज सूरजमल का मुगलों से संघर्ष व सहयोग (१७४८–१७५२ ई०)

अध्याय–५ — १९४–२३५

कुंवर बहादुर 'राजेन्द्र' सूरजमल का मुगल मराठों से युद्ध व संधियां (१७५२–४ ई०)

अध्याय–६ — २३६–२८८

इमाद तथा मराठों से संघर्ष : राज्य विस्तार (१७५४–५६ ई०)

अध्याय–७ — २८९–३६५

ब्रजेन्द्र बहादुर राजा सूरजमल का राज्यारोहण : दुर्रानी से संघर्ष (१७५६–६० ई०)

अध्याय–८ — ३६६–४२५

दुर्रानी का द्वितीय आक्रमण : पानीपत संग्राम में तटस्थता (१७६०–६१ ई०)

अध्याय –९ — ४२६–४९०

विस्तारवादी नीति तथा नजीबुद्दौला से संघर्ष (१७६१–१७६३ ई०)

संकेताक्षर एवं ग्रन्थ तालिका — ४९१–५१०